'गहलोत साहब बताइए, आपके शिक्षा मंत्री ट्रांसफर में पैसा लेते थे कि नहीं?'

शिक्षा मंत्री दिलावर ने सदन में पूर्व सीएम अशोक गहलोत और पी.सी.सी. अध्यक्ष डोटासरा को घेरा

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने सोमवार को विधानसभा में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को जमकर घेरा। उन्होंने गहलोत से सवाल करते हुए पूछा कि "गहलोत साहब, बताइएं आपके शिक्षा मंत्री ट्रांसफर में पैसा लेते थे कि नहीं?" दिलावर ने कहा कि अशोक गहलोत जब मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने एक समारोह में शिक्षकों से पूछा था कि ट्रांसफर में पैसा देना पड़ता है कि नहीं, जिस पर शिक्षकों ने खुलकर कहा था कि पैसा देना पड़ता है।" दिलावर की इस टिप्पणी से सदन में जमकर हंगामा हो गया। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली समेत कांग्रेस के विधायकों ने आपत्ति जताते हुए हंगामा कर दिया।

दरअसल यह पूरा वाकया उस वक्त हुआ, जब विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान सरकारी स्कूलों में विज्ञान संकाय खोलने और उनमें लगाए गए शिक्षकों के सवाल पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर जवाब दे रहे थे। दिलावर ने कहा कि, कांग्रेस ने तो राजस्थान में शिक्षा का बंटाधार किया है, लूटा है।

- **दिलावर की इस टिप्पणी पर नाराजगी जताते हुए नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली समेत कांग्रेस के विधायकों ने आपत्ति जताते हुए हंगामा कर दिया।**
- **जूली ने कहा कि "शिक्षा मंत्री प्रश्न का जवाब देने के बजाय राजनैतिक भाषण दे रहे हैं।"**

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने जवाब में आंकड़े बताने की जगह कांग्रेस पर आरोप लगाए तो हंगामा हो गया। इसके बाद सत्ता-पक्ष और विपक्ष में जमकर नोकझोंक हुई। मदन दिलावर ने कहा कि हम सभी स्कूलों में खाली पदों को भर रहे है। हम तो अगले 2 साल में रिटायर होने वाले शिक्षकों के पदों को भरने की भी पहले योजना बना रहे है। परंतु कांग्रेस के राज में इतने अंग्रेजी स्कूल खोले, केवल बोर्ड लटका दिए, कोई पद नहीं दिए। हजारों की संख्या में बच्चों के साथ अन्याय किया गया। कांग्रेस ने करीब 50 हजार संकाय खोले, लेकिन शिक्षक नहीं लगाए। सारे बच्चों का भविष्य अंधकारमय कर दिया गया। कांग्रेस ने शिक्षा का इतना बंटाधार किया कि, आज बच्चे दुख पा रहे है।

दिलावर को टोकते हुए स्पीकर वासुदेव देवनानी ने कहा कि जो सवाल है, उसका उत्तर दें। इसी बीच नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी आपत्ति जताते हुए कहा कि "बंटाधार किसने किया, सब जानते है। आप तो 2 साल में कितने विज्ञान संकाय खोले, कितने पदों पर पोस्टिंग की, यह बता दीजिए? आपके 2 ही साल बचे हैं, पहले का बता दीजिए। इस दौरान नोकझोंक होने लगी। दिलावर ने कहा कि यह केवल नसीराबाद क्षेत्र का प्रश्न है, प्रदेश का पूछोगे तो जरूर बताऊंगा। जूली ने कहा कि पूरे प्रदेश का ही सवाल पूछा है।

जूली ने दिलावर के जवाब पर आपत्ति जताते हुए कहा कि, शिक्षा मंत्री राजनीतिक भाषण दे रहे हैं, जो स्पेसिफिक सवाल पूछा है उसका जवाब दिला दीजिए। शिक्षा मंत्री सदन को गुमराह कर रहे है। सवाल के खंड एक में लिखा हुआ है कि प्रदेश में कितने विज्ञान संकाय खोले है। इसका जवाब नहीं दिया जा रहा है। इसके बाद दिलावर ने कहा कि एक बार 3880 और दूसरी बार में 970 पद दिए। उनके इस जवाब पर भी सदन में खूब नोकझोंक हुई।

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग में करोडों रु. के घोटाले पर हाईकोर्ट की नाराजगी

हाईकोर्ट ने एसीबी डी.आई.जी. को चेताया "आप कार्रवाई करें, वरना हम करेंगे आप पर"

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने सूचना प्रौद्योगिकी विभाग में करोडों रुपए के घोटाले से जुडे मामले में अदालत में पेश एसीबी के डीआईजी आनंद शर्मा को लताडते 2 हुए कहा कि आप दोषियों पर कार्रवाई करो, वरना हम आप पर कार्रवाई करेंगे। इसके साथ ही अदालत ने मामले की सुनवाई 9 मार्च को रखते हुए एसीबी को कार्रवाई के आदेश दिए हैं। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने यह आदेश टीएन शर्मा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान एसीबी के डीआईजी और मामले में गठित सीआईटी के मुखिया आनंद शर्मा अदालत में पेश हुए। उनकी ओर से प्रकरण की प्रगति रिपोर्ट अदालत में पेश की गई और अदालत से समय मांगा। इस पर अदालत ने पूछा कि बीते करीब चार माह में क्या कार्रवाई की गई हैं और उनमें से कितने बडे अधिकारियों पर कार्रवाई शामिल हैं। इसका जवाब देते हुए डीआईजी ने कहा कि कुल 16 कार्रवाई हुई हैं। इनमें से 5 बडे और 11 छोटे अधिकारी हैं। इन कार्रवाईयों में सबसे बडा अधिकारी तहसीलदार स्तर का है। इस पर अदालत ने कहा कि लगता है कि ऊंचे स्तर पर भ्रष्टाचार नहीं है। इसके साथ ही डीआईजी ने कहा कि चार ऑडिट मांगी हैं और 8 टैंडरों को कार्रवाई के लिए शॉटलिस्ट किया गया है। इस पर अदालत ने कहा कि डीओआईटी के अफसरों को बुलाकर मोबाइल फोन की जांच कराओ।

- **अदालत ने मामले की सुनवाई 9 मार्च को रखते हुए एसीबी को कार्रवाई के आदेश दिए हैं।**

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता पीसी भंडारी ने बताया कि अदालती आदेश के बाद याचिकाकर्ता ने 27 शिकायत रिकॉर्ड सहित एसीबी में पेश की है, लेकिन अभी तक किसी भी मामले में ठोस कार्रवाई नहीं की गई। एसीबी ने सिर्फ एक मामले में चार माह पहले एफआईआर दर्ज की और चार दिन पहले की शिकायतकर्ता के बयान लिए गए। अदालत ने गत दिनों भी एसीबी डीआईजी को कार्रवाई करने को कहा था, लेकिन अभी भी उनकी ओर से समय ही मांगा जा रहा है। आरटीआई से मिली जानकारी के अनुसार तो एक प्रकरण में अधिकारी ने कार्यादेश पर व्हाइटनर लगाकर समयावधि को कई बार बढाया। इसके बावजूद भी एसीबी ऐसे मामलों में भी कुछ नहीं कर रही है।

विधानसभा में कुछ सैकेंड तक बिजली गुल होने पर पक्ष-विपक्ष में हुई नोकझोंक

जयपुर । विधानसभा में अनुदान मांगों पर चर्चा के दौरान सोमवार को सदन की बिजली कुछ सैकेंड के लिए गुल हो गई। हालांकि चंद पलों में ही बिजली सप्लाई बहाल हो गई, परंतु इस दौरान पक्ष-विपक्ष के बीच हल्की नोकझोंक भी देखने को मिली।

कांग्रेस विधायक अर्जुन बामणिया जनजाति, उच्च शिक्षा और वन विभाग की अनुदान मांगों पर बोल रहे थे। इसी दौरान दोपहर करीब 2:52 बजे सदन की लाइट अचानक चली गई। लाइट जाते ही नेता प्रतिपक्ष ने तंज कसते हुए कहा, यहां भी लाइट चली गई। ऊर्जा मंत्री बैठे हैं, यह आपकी हकीकत है। आज विधानसभा में ही लाइट चली गई। कुछ ही सैकेंड में बिजली आपूर्ति बहाल हो गई। इस पर डिप्टी सीएम प्रेम चंद बैरवा ने चुटकी लेते हुए कहा, आपके बोलते ही वापस आ गई। सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कहा, आपकी आंख झपकी होगी, लाइट नहीं गई। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि विधानसभा में रिंग सिस्टम लगा हुआ है। एक सर्किट से बिजली जाने पर दूसरा सर्किट स्वत: जुड़ जाता है, जिसमें कुछ सैकेंड का समय लगता है। इसी कारण थोड़ी देर के लिए लाइट प्रभावित हुई और तुरंत बहाल हो गई। कांग्रेस विधायक अर्जुन बामणिया ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जब विधानसभा में यह स्थिति है तो गांवों की हालत का अंदाजा लगाया जा सकता है। घटना को लेकर सदन में कुछ समय के लिए माहौल हल्का-फुल्का बना रहा, जिसके बाद कार्यवाही सामान्य रूप से जारी रही।

आर.एस.एस.पर कांग्रेस विधायक की टिप्पणी से हंगामा

जयपुर (विसं)। विधानसभा में सोमवार को अनुदान मांगों पर बहस के दौरान उपनेता प्रतिपक्ष रामकेश मीणा द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर की गई टिप्पणी से सदन में हंगामा खड़ा हो गया।

मीणा ने कहा कि सरकारी शिक्षा में अंग्रेजी माध्यम स्कूलों के विरोध के पीछे आरएसएस की भूमिका है और 1925 में स्थापना के बाद आजादी की लडाई में उसके योगदान पर सवाल उठाए।

इस पर संसदीय कार्यमंत्री सहित सत्ता पक्ष ने कड़ा विरोध जताया। अविनाश गहलोत ने कहा कि कांग्रेस के ताबूत में आखिरी कील आरएसएस ही ठोकेगा। इसके बाद दोनों पक्षों में तीखी नोकझोंक हुई।

प्रदेशभर में बंदरों के आतंक का मुद्दा विधानसभा में गूंजा

जयपुर । राजस्थान विधानसभा में मंगलवार को आबादी क्षेत्रों में बंदरों की बढ़ती समस्या का मुद्दा जोरदार ढंग से उठा। शाहपुरा से कांग्रेस विधायक मनीष यादव ने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के जरिए गांवों और शहरों में बंदरों के हमलों और उत्पात से लोगों को हो रही परेशानियों का विषय सदन में रखा।

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का जवाब देते हुए यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि जंगलों में बढ़ती इंसानी घुसपैठ, भोजन की कमी और बंदरों की बढ़ती संख्या के कारण वे आबादी क्षेत्रों की ओर रुख कर रहे हैं। पहले गांवों-कस्बों में मदारी बंदर लेकर आता था और लोगों को इनके बारे में जानकारी देता था। अब परिस्थितियां बदल गई हैं। मंत्री ने बताया कि सामान्यत: दो प्रकार के बंदर पाए जाते हैं-हनुमान बंदर और लाल मुंह वाले बंदर। जीव विज्ञान के अनुसार मानव का विकास क्रम भी इन्हीं प्रजातियों से जुड़ा रहा है। उन्होंने माना कि कई बंदर आक्रामक हो गए हैं और बच्चों व बुजुर्गों पर हमले की घटनाएं सामने आती रहती हैं। स्थानीय निकाय इन्हें पकड़कर अन्य स्थानों पर छोड़ते हैं, लेकिन कुछ समय बाद ये फिर शहरों और गांवों में लौट आते हैं। खर्रा ने कहा कि सरकार ने सर्कुलर जारी कर सभी जिला कलेक्टरों को इस संबंध में प्राधिकृत अधिकारी बनाया है। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि वन विभाग बंदरों के लिए अलग स्थान चिन्हित कर वहां भोजन की व्यवस्था करे तो समस्या का स्थायी समाधान संभव है।

अवैध डेयरी पर कार्रवाई कर 250 गौवंश हिंगौनिया गौशाला पहुंचाए

नगर निगम की टीम ने विद्याधर नगर, सुंदर नगर, अंबाबाड़ी और किशनबाग क्षेत्र में कार्रवाई की

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । नगर निगम जयपुर की टीम ने सोमवार को शहर में अवैध डेयरियों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 250 से ज्यादा गौवंश को मुक्त करवाकर हिंगौनिया गौशाला पहुंचाया।

पशु प्रबंधन उपायुक्त अनिता मित्तल के नेतृत्व में डॉ. हरेन्द्र सिंह की टीम ने विद्याधर नगर, सुंदर नगर, अंबाबाड़ी और किशनबाग क्षेत्र में इस कार्रवाई को अंजाम दिया। पूर्व में भी यहां उपायुक्त रजनी माधीवाल ने कार्रवाई की थी। सोमवार को जब निगम टीम मौके पर दबिश देने पहुंची तो भारी विरोध का सामना करना पड़ा। परंतु निगम दस्ते ने भट्टा बस्ती और विद्याधर नगर थाने का पुलिस जाप्ता पूर्व में ही अपने साथ ले लिया था। देर रात तक लोगों के भारी विरोध के बीच नगर निगम के पशु प्रबंधन शाखा के चिकित्सक डॉ. हरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में टीम ने जावेद घोसी उर्फ सन्नी घोसी, इमरान, इरसाद व आरिफ द्वारा संचालित अवैध डेयरियों पर कार्रवाई करते हुए 250 गौवंश को छुडाया और गौशाला पहुंचाया।

'पुलिस एफआईआर लिखने से पहले पैसा मांगती है'

जयपुर (विसं)। विधानसभा में अनुदान मांगों पर बहस के दौरान सोमवा रको कांग्रेस विधायक रमिला खड़िया ने जनजाति विकास मंत्री और विभाग के अफसरों पर निशाना साधा। खड़िया ने कहा कि आदिवासियों की सुनने वाला कोई नहीं है। पुलिस अफसर सुनने को तैयार नहीं है, एफआईआर लिखने से पहले मनी (पैसा) मांगते हैं, फिर एफआईआर लिखते है।

खड़िया ने कहा कि प्रदेश में आए दिन रेप हो रहे हैं, महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे है। टीएडी मंत्रीजी, आप मंत्री बनकर बैठे हो। आप 200 विधायकों के मंत्री हो केवल बीजेपी के नहीं, आप सबकी बात सुनो। खड़िया ने कहा कि जनजाति छात्रावासों के खिड़की-दरवाजे तक टूटे पड़े हैं, मंत्री क्या देख रहे हैं? हमारे इलाके में प्रिंसिपल बच्चों से जातिवाद कर रहा है, आज वहां धरना चल रहा है, ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

- **कांग्रेस विधायक रमिला खडिया ने सदन में आरोप लगाया**

स्पीकर देवनानी ने फटकार लगाई

जयपुर । विधानसभा में शून्यकाल के दौरान बीकानेर में नाबालिग बच्ची से रेप-हत्या के मामले में कांग्रेस के वॉकआउट के बाद स्पीकर ने कांग्रेस-भाजपा विधायक को फटकार लगाई। वॉकआउट के दौरान ही स्पीकर ने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के लिए कांग्रेस विधायक मनीष यादव का नाम पुकारा। यादव वॉकआउट करके तत्काल वापस सदन में आकर बोलने लगे। जिस पर स्पीकर ने मनीष यादव को सख्त लहजे में चेताया और कहा कि दोनों तरफ रहना चाहते हो। वॉकआउट भी और बोलना भी, आगे से ऐसा नहीं चलेगा। इसी बीच बीजेपी विधायक ने टोकाटाकी की कोशिश की तो स्पीकर ने कहा कि जब मैं कह चुका, आप क्यों बोल रहे हैं? मेरे से बड़े हो गए क्या?

अविनाश गहलोत के तंज पर भड़के टीकाराम जूली

जयपुर । विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान दिव्यांगों को स्कूटी वितरण से जुड़े सवाल के जवाब के दौरान जमकर हंगामा और नोकझोंक हुई। बीजेपी विधायक कैलाश वर्मा ने अफसरों की लापरवाही से दिव्यांग स्कूटी वितरण नहीं होने पर पूरक सवाल किया था।

इस पर मंत्री अविनाश गहलोत ने पिछली सरकार के वक्त हुई देरी का हवाला देते हुए जल्द समाधान का आश्वासन दिया। जूली ने पूछा कि समय पर स्कूटी वितरण नहीं होने से इसकी लागत बढ़ गई, इसके लिए कौन जिम्मेदार है? जवाब में मंत्री अविनाश गहलोत ने तंज कसते हुए कहा कि आज पूर्व मुख्यमंत्री विधानसभा में है, इसलिए नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और गोविंद सिंह डोटासरा के बीच कॉम्पिटिशन है। इस तंज से जूली नाराज हो गए और कहा कि "यह राजनीतिक जवाब नहीं चलेगा, सवाल का जवाब दीजिए। आपने सदन का मजाक बना रखा है।" जिस पर अविनाश गहलोत ने कहा कि तेज बोलने से झूठ, सच नहीं हो जाएगा।

- **नेता प्रतिपक्ष ने नाराजगी जताते हुए कहा "सदन का मजाक बना रखा है।"**

महाराजा-महारानी कॉलेज की जमीन पर सवाल उठे

जयपुर (विसं)। भाजपा विधायक कालीचरण सराफ ने जयपुर के महाराजा और महारानी कॉलेज की जमीन का नामांतरण जयपुर नगर निगम और जेडीए के नाम करने पर गंभीर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि ये दोनों कॉलेज के अभिन्न अंग हैं और इनकी जमीन का ट्रांसफर गैरकानूनी है। सराफ ने बताया कि महाराजा कॉलेज को 48 बीघा और महारानी कॉलेज को 29 बीघा जमीन जयपुर रियासत द्वारा दी गई थी, जो राजस्व रिकॉर्ड में किशनपोल तहसील में दर्ज है। उन्होंने चेतावनी दी कि जमीन हस्तांतरण से कॉलेजों को यूजीसी की ग्रांट और नए कोर्स शुरू करने में दिक्कतें आएंगी। इस फैसले से छात्रों और शिक्षकों में रोष है और सरकार को इसे वापस लेना चाहिए।

सार-समाचार

भाजपा महिला मोर्चा का विरोध-प्रदर्शन

जयपुर । दिल्ली में आयोजित एआई समिट के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं के तथाकथित अर्धनग्न प्रदर्शन को लेकर सियासत तेज हो गई है। सोमवार को भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने जयपुर स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय का घेराव करने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने उन्हें रास्ते में ही रोक दिया। महिला मोर्चा की कार्यकर्ता दोपहर करीब 12 बजे चांदपोल बाजार स्थित हनुमान मंदिर पर एकत्रित हुईं। यहां कांग्रेस को सद्बुद्धि देने की प्रार्थना की गई। इसके बाद प्रदेशाध्यक्ष राखी राठौड़ के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय की ओर मार्च शुरू किया। हालांकि संसार चंद्र रोड पर पुलिस ने बैरिकेडिंग कर उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। इस दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच कुछ देर धक्का-मुक्की भी हुई। स्थिति को देखते हुए मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल और महिला कांस्टेबल तैनात किए गए थे। महिला मोर्चा की प्रदेशाध्यक्ष राखी राठौड़ ने आरोप लगाया कि एआई समिट में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के व्यवहार से देश की छवि खराब हुई है। उन्होंने कहा कि विदेशी मेहमानों के सामने इस तरह का प्रदर्शन भारतीय संस्कृति के खिलाफ है और इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। पुलिस की समझाइश के बाद प्रदर्शनकारी वहीं धरने पर बैठ गए और राहुल गांधी के खिलाफ नारेबाजी की। कुछ समय बाद प्रदर्शन समाप्त हो गया।

ज्वैलर को लूटने वाले बदमाश पकड़े

जयपुर । प्रताप नगर थाना पुलिसने गत 14 फरवरी की रात 8 बजे ज्वेलर से लूट का पर्दाफाश करते हुए दो शातिर बदमाशों समेंत एक नाबालिग को निरुद्ध किया है। पुलिस गिरफ्तार अभियुक्तों से अन्य वारदातों को लेकर गहनता से पूछताछ करने में जुटी है।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूट के 1 किलो तीन सौ ग्राम चांदी व 8 ग्राम सोने के आभूषण बरामद किए है। गौरतलब है कि गत 14 फरवरी की रात को 8 बजे आरयूएचएस के पास श्योपुर निवासी रामनिवास सैनी कार से घर जा रहे थे,इसी दौरान स्विफ्ट कार में आए कुछ बदमाशों ने उनका रास्ता रोक लिया। बदमाशों ने मारपीट करते हुए 50 ग्राम सोना व 7 किलो चांदी लूट कर फरार हा गए थे। पुलिस ने लूट की वारदात का पर्दाफाश करते हुए दो शातिर अपराधियों कौशल श्रीमाल (24) और समीर खान (20) को गिरफ्तार किया है। पुलिस दोनो आरोपियों से पूछताछ के बाद 1 किलो 300 ग्राम चांदी, 8 ग्राम सोने के आभूषण बरामद किए गए है। पुलिस जांच में सामने आया है कि वारदात का मास्टर माईंड हंसराज बैरवा उर्फ हंसू उर्फ टैम्पू और राज सीकरवार है। जो आदतन बदमाश है। इनके खिलाफ पूर्व में भी लूट के मामले दर्ज है। दोनो बदमाशों ने लूट की वारदात को अंजाम देने के लिए बाल अपचारी का इस्तेमाल किया और उसे लालच देकर उसकी रैकी करवाई। रैकी करवाने के बाद कौशल और समीर को साथ लेकिर स्वीफ्ट कार से ज्वेलर का पीछा किया और श्योपुर रोड पर उसकी कार के आगे खुद की कार लगाकर उसे रोका और लूट की वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। पुलिस ने बताया की हंसराज बैरवा और राज सीकरवार फिलहाल फरार है। जिनकी तलाश में पुलिस टीम जुटी हुई है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगालते हुए पुलिस ने 9 दिन बाद वारदात का खुलासा किया। इस कार्रवाई में प्रताप नगर एवं तकनीकी शाखा के कुल 10 पुलिसकर्मियों की टीम शामिल रही। टीम में एसएचओ पूरणमल यादव, एसआई होशियार सिंह, हेड कॉन्स्टेबल दशरथ और कॉन्स्टेबल गणेश, शंकर सहित अन्य पुलिस के जवान शामिल रहे।

'गहलोत ने सदन और प्रदेश की 8 करोड़ जनता का अपमान किया'

सांसद तिवाड़ी ने गहलोत द्वारा "2 वर्ष बनाम पूर्ववर्ती सरकार के 5 वर्ष" पर चर्चा को मूर्खतापूर्ण और मजाक बताने के बयान की निंदा की

जयपुर । राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा राज्य सरकार के "2 वर्ष बनाम पूर्ववर्ती सरकार के 5 वर्ष" पर चर्चा का मूर्खतापूर्ण और मजाक करार देने के बयान की निंदा की है।

तिवाड़ी ने कहा कि गहलोत का यह बयान सदन, कार्य सलाहकार समिति तथा राजस्थान की 8 करोड़ जनता का अपमान है। जब 16 फरवरी को कार्य सलाहकार समिति की बैठक में इस प्रतिवेदन पर चर्चा के लिए 21 फरवरी का दिन निर्धारित कर दिया था, तो गहलोत ने सदन में अपनी बात रखने के बजाय बाहर आकर इस चर्चा को मूर्खतापूर्ण बताया, जो उनकी गंभीरता पर प्रश्नचिह्न लगाता है।

तिवाड़ी ने कहा कि गहलोत का बयान विधानसभा की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला है। ऐसा प्रतित होता है कि गहलोत अर्द्धमूर्छित अवस्था में आ गए हैं। गहलोत ही नहीं, संपूर्ण कांग्रेस अर्द्धमूर्छित हो गई है। गहलोत को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। तिवाड़ी ने कहा कि जब गहलोत विपक्ष में होते हैं तो सदन में चर्चा से बचते हैं और बाहर आकर बयानबाजी करते हैं। गहलोत ने विधानसभा की कार्य सलाहकार समिति द्वारा तय चर्चा को ही मजाक बता दिया, जो संसदीय परंपराओं के विरुद्ध है।

सांसद घनश्याम तिवाड़ी

कैफे की आड में चल रहे हुक्का बार पर छापेमारी

जयपुर । बजाज नगर थाना पुलिस ने थाना इलाके में स्थित कैलाशपुरी में संचालित डियोना कैफे की आड़ में चल रहे अवैध हुक्का बार में रेड मारी है। पुलिस जानकारी के अनुसार कैफे की आड में ग्राहकों को हुक्के की सप्लाई की जा रही है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हुक्का पी रहे पन्द्रह व्यक्तियों का कोटपा एक्ट में चालान भी किया गया है और साथ ही हुक्के मय पाइप-चिलम फ्लेवर आदि के बरामद हुए। इसके अलावा कैफे कर्मचारी को गिरफ्तार भी किया है। थानाधिकारी पूनम चौधरी ने बताया कि पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि कैलाशपुरी स्थित डियोना कैफे में अवैध रूप से ग्राहकों को हुक्का पिलाया जा रहा है। इस पर एक पुलिस टीम मौके पर जाकर सूचना की तस्दीक कर कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके पुलिस टीम मौके पर पहुंची और छापेमारी करते हुए हुक्का पी रहे पन्द्रह व्यक्तियों का कोटपा एक्ट में चालान किया गया और साथ ही 20 हुक्का, 25 चिलम व 25 पाईप व फ्लेवर आदि हुक्का उपकरण जब्त किए गए है।

1291 विकलांगों को पुन: चलने-फिरने योग्य बनाया

जयपुर (कासं)। मध्य अमेरिका देश ग्वाटेमाला और अफ्रीकी देश सुडान के डोंगाला शहर में आयोजित भारत सरकार के विदेश मंत्रालय और विश्व प्रसिद्ध जयपुर फुट की निर्माता संस्था भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के संयुक्त आयोजन में सम्पन्न हुए कृत्रिम अंग पुर्नवास शिविर के सफता आयोजन समाप्त हुए। इन देशों में आयोजित शिविरों में जो 50-50 दिनों तक चले 1291 विकलांगों को पुर्नवास कर उन्हें चलाने फिरने योग्य बनाया गया।

भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति बीएबबीएसएस के संस्थापक एयु मुख्य संरक्षक डी. आर. मेहता ने बताया कि उक्त दोनों शिविरों के आयोजन विदेश मंत्रालय के आर्थिक सहयोग से आयोजित किये गये थे। इन दोनों शिविरों के आयोजन से भारत सरकार की बड़ी प्रशंसा हुई। दोनों शिविरों में कृत्रिम पैर, हाथ, वैसाखी आदि नि:शुल्क दिये गये। ग्वाटेमाला सिटी जो ग्वाटेमाला की राजधानी है में सेना के सहयोग से आयोजित इस शिविर में पूर्व सैनिकों और सेनिकों की महिला पुरुषों को लाभान्द्रित किया गया। शिविर में भारत सरकार और बीएमवीएसएस के तकनीकी दलनायक कैलाश शर्मा को ग्वाटेमाला की सेना के अधिकारियों ने उन्हें तथा टीम के सदस्यों को पदक प्रदान किये और एक जुलुस के रूप में दल को विदाई दी गई। इस शिविर के जरिये दोनों देशों की बीच मित्रता और आपसी सहयोग को नई दिशा मिली। सुडान के डोंगाला में आयोजित शिविर की प्रशंसा में सुडान के विदेश मंत्री मोहिलदीन सत्तीम अहमद इब्राहीम ने प्रशंसा की नई दिल्ली में भारत और उक्त देशों के विदेश मंत्रियों के एक सम्मेलन में आपने भाषण में सुडानी विदेश मंत्री ने भारत के सुडान के जयपुर फुट शिविर लगाकर विकलांगों को नया जीवन देने के लिए धन्यवाद व्यक्त किया। बीएमवीएसएस के अध्यक्ष सतीश मेहता ने कहा कि जयपुर फुट वैश्विक स्तर पर अपनी गुणवत्ता के कारण आपनी छाप रहा है जिससे भारत की प्रशंसा हो रही है। अध्यक्ष सतीश मोहता ने कहा की उब तक 48 देशों में 125 शिविरों के द्वारा 48 हजार विदेशियों को पुर्नवास किया जा चुका है, जिससे भारत की साख बढी है।

सूने मकान से जेवर-नकदी चोरी

जयपुर । हरमाड़ा इलाके में सूने मकान का ताला तोड़कर लाखों रुपए की चोरी का मामला सामने आया है। परिवार के शादी में जाने का फायदा उठाकर बदमाश घर में घुस गए और करीब आधे घंटे में गहने व नकदी लेकर फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार चोरी की वारदात मंगलम विहार कॉलोनी निवासी नरेंद्र कुमार जांगिड़ के घर हुई। 15 फरवरी को वे अपने परिवार के साथ झुंझुनूं में एक शादी समारोह में गए हुए थे। इसी दौरान बदमाशों ने सूने मकान को निशाना बनाया। शनिवार देर रात करीब 12 बजे दो नकाबपोश बदमाश मेन गेट कूदकर घर में घुसे। उन्होंने दरवाजे का ताला तोड़ा और अंदर प्रवेश कर अलमारियों के लॉक तोड़ दिए। बदमाश करीब 7 लाख रुपए कीमत के सोने-चांदी के गहने और लगभग 70 हजार रुपए नकद लेकर फरार हो गए।

थानों में जब्त वाहनों के निस्तारण के लिए क्या कदम उठाए गए?

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से रिपोर्ट पेश कर बताने को कहा है कि शहर के विभिन्न थानों में लावारिस पड़े वाहनों के निस्तारण के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए हैं। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस रवि चिरानिया की खंडपीठ ने यह आदेश महेश झालानी की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने अतिरिक्त महाधिवक्ता विज्ञान शाह को कहा कि वे मामले में खान विभाग की ओर से पक्ष रख रहे हैं। प्रकरण के त्वरित निस्तारण के लिए वे अन्य विभागों की ओर से भी अदालत में पक्ष रखे।

- **राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा**

याचिका में अधिवक्ता सतीश खंडेलवाल ने अदालत को बताया कि प्रदेश के सभी थानों में अरबों रुपए के वाहन कई सालों से जब्त पडे हुए हैं। जबकि सुप्रीम कोर्ट सभी राज्यों को इन वाहनों का तय समय में निस्तारण के आदेश दे चुका है। इसके अलावा पालना नहीं होने पर सुप्रीम कोर्ट कठोर कार्रवाई की चेतावनी भी दे चुका है। याचिका में कहा गया विभिन्न थानों में सालों से खुले में वाहन पड़े हैं। सालों तक लावारिस पड़े रहने के कारण अधिकांश वाहन कबाड़ में तब्दील हो रहे हैं। वहीं बाद में ये वाहन न केवल रोड पर चलने लायक रहते है, बल्कि इनसे दुर्घटनाएं होने का खतरा भी रहता है। याचिका में गुहार की गई है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश की पालना में इन वाहनों का तय समय पर निस्तारण करने की व्यवस्था की जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने राज्य सरकार से रिपोर्ट पेश कर शहर के थानों में लावारिस पड़े वाहनों के निस्तारण के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी मांगी है।